भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *99 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025/3 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है

राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 37 की स्थिति

***99. श्री सुनील कुमार :**

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बिहार में गंडक नदी पर सारण से चम्पारण होते हुए नेपाल सीमा तक राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 37 को अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में विकसित करने के लिए इसकी पहचान की थी, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त जलमार्ग के सर्वेक्षण कार्य हेतु 150 करोड़ रुपए की राशि संस्वीकृत की गई थी और सर्वेक्षण कार्य का कुछ भाग पूरा भी कर लिया गया था, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त जलमार्ग को संचालित करने के लिए गंडक नदी के साथ-साथ छह टर्मिनल स्थापित करने का भी प्रस्ताव था, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का नए जलमार्गों की खोज करके भारत और नेपाल के बीच व्यापार संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए उक्त जलमार्ग को स्वीकृति प्रदान करने और इसे प्रचालनात्मक बनाने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

“राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 37 की स्थिति" के संबंध में माननीय सांसद श्री सुनील कुमार द्वारा दिनांक 25.07.2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *99 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अंतर्गत गंडक नदी को त्रिवेणी के निकट वाल्मीकि नगर से हाजीपुर में गंगा नदी संगम तक (295.7 किमी की लंबाई) राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.) संख्या 37 घोषित किया गया है। यह राष्ट्रीय जलमार्ग वाल्मीकि नगर पुल को भैसालोटन बैराज पर जोड़ता है और नेपाल के साथ संपर्कता प्रदान करता है।

(ख) और (ग): वर्ष 2017-18 के दौरान रा.ज.-37 के लिए 12.91 करोड़ रुपए की राशि अनुमोदित की गई, जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल थे:

1. हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण (थलवेग सर्वेक्षण और शोआल का विस्तृत हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण)
2. चैनल मार्किंग
3. बैंडलिंग
4. फ्लोटिंग टर्मिनल
5. क्रॉस संरचनाओं की पहचान
6. हितधारक कार्यशालाएं
7. ट्रायल मूवमेंट आयोजित करना

इसके अतिरिक्त, वाल्मीकि नगर बैराज (त्रिवेणी) से गंगा संगम (हाजीपुर) तक हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण भी किया गया है। इसके अलावा, स्थानीय समुदाय द्वारा उपयोग के लिए बेतिया में दो स्टील फ्लोटिंग पोंटून/जेट्टी की व्यवस्था की गई है।

(घ): आर्थिक और सामाजिक व्यवहार्यता के आधार पर अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) के विकास की संभावनाओं का पता लगाने के लिए मैसर्स रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा (राइट्स) लिमिटेड के माध्यम से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का अद्यतनीकरण शुरू किया गया है।

*****